पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग उ०प्र०
(राज्यपाल सूचना परिसर)

राज्यपाल ने डा0 ए0पी0जे0 अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय, लखनऊ द्वारा दो नये विश्व स्तरीय संस्थान बनाने हेतु दिये गये प्रस्तुतीकरण की समीक्षा की

दोनों संस्थाओं की उत्तर प्रदेश में बहुत आवश्यकता है

देश में स्थित उच्च संस्थाओं का अध्ययन, भ्रमण आदि करके एक अनुकूल इको सिस्टम तैयार किया जाय

भास्कराचार्य इंस्टीट्यूट फार स्पेस एप्लिकेशन एंड जियोइनफारमैटिक्स (बी0आई0एस0ए0जी0) जैसी संस्थाओं से शहरी नियोजन के बारे में जानकारी प्राप्त करनी चाहिए

ऐसे क्षेत्रों में संस्थाओं का निर्माण हो, जिससे न केवल उत्तर प्रदेश वरन् पड़ोसी राज्यों को भी लाभ पहुंचे

संस्थाओं की गवर्निंग बाडी इंडिपेंडेट हो, जिससे इनका त्वरित विकास हो सके

यह संस्थान शिक्षण, प्रशिक्षण, अनुसंधान एवं निर्माण का एक उचित वातावरण निर्मित करेगा

– श्रीमती आनंदीबेन पटेल

लखनऊः 22 अक्टूबर, 2022

उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने आज यहां राजभवन स्थित प्रज्ञा कक्ष में प्रदेश के प्राविधिक शिक्षा, उपभोक्ता संरक्षण एवं बांट माप मंत्री श्री आशीष पटेल के साथ डा0 ए0पी0जे0 अब्दुल कलाम प्रावाधिक विश्वविद्यालय, लखनऊ द्वारा दो नये विश्व स्तरीय संस्थान बनाने हेतु दिये गये प्रस्तुतीकरण की समीक्षा की।

इस अवसर पर ए0के0टी0यू0, लखनऊ के कुलपति प्रो0 प्रदीप मिश्र ने राज्यपाल जी को अवगत कराया कि एक संस्थान इण्टरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी एण्ड बायोइंजीनियरिंग एजूकेशन एण्ड रिसर्च तथा दूसरा इण्टरनेशनल स्कूल आफ इन्वायरमेंट प्लानिंग एण्ड आर्किटेक्चर के नाम से जाना जाएगा।

इस अवसर पर राज्यपाल जी ने कहा कि उत्तर प्रदेश के स्वास्थ्य संबंधी वर्तमान एवं भविष्य आवश्यकता के दृष्टिगत ड्रग, वैक्सीन एवं मेडिकल डिवाइस के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिए सर्वप्रथम संस्थान की आवश्यकता महसूस हुयी। राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने कहा कि कोविड–19 की महामारी तथा इस तरह की अनगिनत स्वास्थ्य समस्याओं पर अनुसंधान एवं उत्पाद विकास हेतु एक ऐसे इण्टरनेशनल संस्थान की महती आवश्यकता है। यह संस्थान शिक्षण, प्रशिक्षण, अनुसंधान एवं निर्माण का एक उचित वातावरण निर्मित करेगा और मा0 प्रधानमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश और देश के विकास में अपना योगदान देगा।

राज्यपाल जी ने कहा कि आज की अंधाधुध बढ़ते शहरीकरण और औद्योगिकरण के फलस्वरूप उत्पन्न होने वाली नगरीय समस्याओं के समाधान में ऐसे संस्थान महती भूमिका निभा सकेंगे। प्रस्तावों में शहरों को रहने योग्य कैसे बनाएं, नगरीय निकायों की प्रबंधन संकाय कैसे बढ़े तथा साथ ही पर्यावरण के दुष्प्रभाव को कैसे कम करें एवं कैसे स्मार्ट सिटी की संख्या बढ़ाए आदि महत्वपूर्ण पहलुओं पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता होगी।

बैठक में राज्यपाल जी ने कहा कि दोनों संस्थाओं की उत्तर प्रदेश में बहुत आवश्यकता है। इन क्षेत्रों में कार्य आरम्भ करने से पहले सर्वप्रथम देश में स्थित उच्च संस्थाओं का अध्ययन, भ्रमण आदि करके एक अनुकूल इको सिस्टम तैयार किया जाना आवश्यक है। भास्कराचार्य इंस्टीट्यूट फार स्पेस एप्लिकेशन एंड जियोइनफारमैटिक्स (बी0आई0एस0ए0जी0) जैसी संस्थाओं से शहरी नियोजन के बारे में जानकारी प्राप्त करने पर बल देते हुए राज्यपाल जी ने कहा कि फार्मा के क्षेत्र में गुजरात में प्रचलित नीतियों को समावेश कर ऐसे क्षेत्रों में संस्थाओं का निर्माण हो, जिससे न केवल उत्तर प्रदेश वरन् पड़ोसी राज्यों को भी लाभ पहुंचे। संस्थाओं की गवर्निंग बाडी इंडिपेंडेंट हो, जिससे इनका त्वरित विकास हो सके।

राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने डा0 ए0पी0जे0 अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय, लखनऊ द्वारा प्रस्तुत दोनों प्रस्ताव पर अपने बहुमूल्य सुझाव देकर प्रस्तुतीकरण का संवर्धन किया।

बैठक में प्राविधिक शिक्षा मंत्री श्री आशीष पटेल ने अपने बहुमूल्य सुझाव दिये।

प्रस्तुतीकरण कार्यक्रम के अवसर पर प्रमुख सचिव राज्यपाल श्रीमती कल्पना अवस्थी, प्रमुख सचिव प्राविधिक शिक्षा श्री सुभाष चन्द्र शर्मा, ए0के0टी0यू0 के कुलपति प्रो0 प्रदीप कुमार मिश्र, तकनीकी सलाहकार मा0 मुख्यमंत्री श्री जी0एस0 सिंह, प्राविधिक शिक्षा के विशेष सचिव श्री अन्नावी दिनेश कुमार, वास्तुकला एवं नियोजन संकाय की प्राचार्य श्रीमती वंदना सहगल तथा जैव प्रौद्योगिकी के अध्यक्ष प्रो0 भारतेन्दु नाथ मिश्र उपस्थित थे।

———

सम्पर्क सूत्र
चन्द्रविजय वर्मा–सूचना अधिकारी/राजभवन
9044381834